B.A. Honors. Sanskrit

DEPARTMENT OF SANSKRIT

SCHOOL OF LANGUAGES

Syllabus

Curriculum Framework

U.G. Classes

Based on National Education Policy - 2020

Date of BoS : 19.09.2022

2022-2023

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya

(A central University)

Sagar – Madhya Pradesh - 470003

B.A. Honors. Sanskrit

Under graduate Curriculum Framework (Suggestive Guidelines)

Level	Sem	Nature of theCourse	Course Code	CourseTitle	Credits
L5 Entry	I	Discipline Specific :Major-1	SAN-DSM-111	संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)	6
		Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-111	नीति साहित्य	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN -AEC-111	उपनिषद् तथा श्रीमदभगवद् गीता	2
		Skill EnhancementCourse (SEC)	SAN -SEC-111	संस्कृत साहित्य	2
		Value EnhancementCourse (VEC)	SAN -VEC-111		
					22
	II	Discipline Specific :Major-4	SAN-DSM-211	संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)	6
		Multi-Disciplinary:Major-6	SAN-MDM-211	संस्कृत व्याकरण	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN-AEC-211	व्याकरण तथा अनुवाद	2
		Skill EnhancementCourse (SEC)	SAN-SEC-211	व्याकरण तथा रचना	2
		EXIT With Certificate			**44**

The Ability Enhancement Course (AEC) and / or Skill Enhancement Course (SEC) will berelevant to the Disciplinary Specific Major (s).

Postgraduate Curriculum Framework

(Suggestive Guidelines)

Year / Semester	Nature of the Course	Courses		Credits
L 8 First Year	Discipline Specific : Major-1	SAN- DSM-121	वैदिक भाषा तथा साहित्य	06
SEM -I	Discipline Specific: Major-2	SAN- DSM-122	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	06
	Multi-Disciplinary : Major-3	SAN-MDM-121	दर्शन	06
	Skill Enhancement Course (SEC)	SAN-SEC-121	व्याकरण तथा भाषा विज्ञान	04
				22
	Discipline Specific : Major-1	SAN- DSM-221	महाकाव्य	06
	Discipline Specific: Major-2	SAN - DSM-223	गद्य तथा चम्पू काव्य	06
SEM -II	Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-221	नाट्यशास्त्र एवं नाटक	06
	Skill Enhancement Course (SEC)	SAN -SEC-221	भारतीय काव्यशास्त्र	04
			Exit with PG Diploma	22

Year / Semester	Nature of the Course	Courses		Credits
L 9 First Year	Discipline Specific : Major-1	SAN- DSM-221	आषेकाव्य एवं पुराण	06
	Discipline Specific: Major-2	SAN- DSM-322	अर्थशास्त्र एवं धर्मशास्त्र	06
SEM -III	Multi-Disciplinary : Major-3	SAN-MDM-321	साहित्य सिद्धान्त	06
	Skill Enhancement Course (SEC)	SAN-SEC-321	सस्कृत सभाषण एव अनुप्रयोग	04
				22
	Discipline Specific : Major-1	SAN- DSM-421	उपनिषद् साहित्य	06
	Discipline Specific: Major-2	SAN - DSM-422	काव्यशास्त्र	06
	Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-421	संस्कृत में पर्यावरण	06
SEM -IV	Skill Enhancement Course (SEC)	SAN -SEC-421	पाण्डुलिपि विज्ञान	04
				22
Exit with PG Degree			Total Credits (22X4)	88

M. A. I -Sem. Sanskrit	SAN-DSM - 121 वैदिक साहित्य एवं आख्यान
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 6 0 0 6

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

वेद विश्व भर में भारत की अद्वितीय पहचान हैं। इन्हें ज्ञान का भण्डार माना जाता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र वैदिक साहित्य से परिचित हो सकेंगे। ऋग्वेद के प्रमुख सूक्तों के अध्ययन से वे वैदिक देवताओं इन्द्र आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। दार्शनिक सूक्तों का विशेष महत्त्व है। वे बाद की दार्शनिक परम्पराओं के बीज रूप माने जाते हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र दार्शनिक सूक्तों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। यजुर्वेद और अथर्ववेद के सूक्तों के अध्ययन से वे इनकी विषय वस्तु से परिचित हो सकेंगे। वेदांगों का ज्ञान वेदों को समझने के लिए आवश्यक माना जाता है। निरुक्त और पाणिनीय शिक्षा के अध्ययन से छात्र इन वेदांगों के तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। यह ज्ञान वेद के मर्म को समझने में सहायक होता है। इससे विद्यार्थियों में विषयगत परिचर्चा का व्यवहार विकसित होगा।

इकाई 1 वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय **एवं वेदपाठ प्रक्रिया** (L-18)

इकाई 2 ऋग्वेद– सूक्त– (1) इन्द्र 2.12, (2) उषस् 3.61 (3) पुरुष सूक्त

(4) हिरण्यगर्भ 10.121, नासदीय 10.129 (L-18)

इकाई 3 (अ) अथर्ववेद– स्वराज्ये राज्ञः पुनः स्थापनम् 3.3, मेधाजनन 1.1, कालसूक्त 10.53

(ब) यजुर्वेद–शिवसङ्कल्प 34/1-6, (L-18)

इकाई 4 **पाणिनीय शिक्षा**, निरुक्त (प्रथम अध्याय), आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस् तथा वैश्वानर के निर्वचन (L-18)

इकाई 5 **शुनःशेप आख्यान एवं वाङ्मनस् आख्यान** (L-18)

नोट – इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है। तथा व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

मूल ग्रन्थ :–

1. अभिनववेददीपिका (प्रथम सं.) डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश पुस्तकालय, जयपुर।